आज पत्रावली पेश हुई। वादी व वादी के वकील अनुपस्थित। पत्रावली में बार-बार अवाज दिलवाई गई। लेकिन कोई भी उपस्थित नहीं आये। न ही कोई सूचना ही प्राप्त हुई। न ही कोई सूचना ही प्राप्त हुई। इससे प्रतीत होता है कि वादी वाद चलाना ही नहीं चाहते हैं। अतः वादी का वाद अदम पैरवी अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी
नीमराना (अलवर) राज.

Signature Not Verified
Digitally signed by Mukut Singh
Date: 2023.07.20 12:11:56 IST
Reason: SelfAttested